वार्षिक रिपोर्ट

फाउंडेशन फॉर इकोलॉजीकल एंड एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी ट्रस्ट

2023-24

FEEST

Foundation For Ecological and Environmental Sustainability Trust (FEEST)

Reg. Office – 57, Nakoda Parshwanath Villas, Debari to Amberi, N.H 76, Udaipur, Rajasthan 313001
Email- virendrach28@gmail.com, feesfoundation@gmail.com

पृष्ठ भूमि –

फाउंडेशन फॉर इकोलॉजीकल एंड एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी ट्रस्ट का गठन भारत की सामाजिक एंव आर्थिक उन्नति को बढ़ाने जिसमे पर्यावरण सुरक्षित रहे की मूल उदेश्य के साथ किया गया है| इसकी स्थापना जून 2017 में संस्थापक मेनेजिंग ट्रस्टी श्री विरेंद्र कुमार चौबीसा ने की | जिनका सामाजिक विकास के क्षेत्र का 18 वर्षो का अनुभव है| ट्रस्ट गठन पीछे सोच यह है की छद्म विकास को छोड़ कर वास्तविक जन विकास एंव गरीब तबके का विकास केसे हो सकता है, साथ ही इसका बहुत बड़ा नेटवर्क बने जो इसे आगे बढाये| वर्तमान में गेर सरकारी संगठनों की भूमिकाओ पर भी प्रश्न है ऐसे परिप्रेक्ष्य में पुन: विकास एंव संस्थागत विकास को परिभाषित करना आवश्यक है| सामजिक उन्नति एंव उसमे लोगो की क्षमता वर्धन एंव उसे स्वीकार करना बहुत आवश्यक है| वर्तमान में कृषि क्षेत्र में भी बहुत असीम सम्भावनाये है, परन्तु जनजाति क्षेत्रो में नकदी फसल, कम भूमि पर लाभकारी फसल, जेविक खेती, उसका मार्किट, पर्यावरण के परिप्रेक्ष्य में खेती, जलवायु और मोसमी परिवर्तन के अनुसार खेती को बढ़ावा देना आवश्यक है| अलाभकारी खेती के स्थान पर लाभकारी खेती, उसमे किसानो का सरकारी योजनाओ से जुडाव बहुत ही आवश्यक है| बहुतसी योजनाओ की जानकारी लोगो तक नहीं होती और लोग उन तक पहुच नहीं पाते है और इसका लाभ नहीं मिल पाता है| संस्थाओ का यही उदेश्य होना चाहिए की अच्छे मोडल का निर्माण करे एंव उन सफल मोडल को सरकार के साथ रखे, जिससे उसका प्रचार जनमानस तक हो सके| इसके साथ ही आज के वैज्ञानिक युग में एलोपैथी दवाईयों का व्यापक प्रचलन है और इसी कड़ी में देखा जाये की जो घर स्तर की और्वेदिक दवाई का जो ज्ञान था, वो भी आज समाप्त हो रहा है उसे भी भारतीय संस्कृति के अनुरूप पुन: स्थापित करने की आवश्यकता है| इसके लिए ट्रस्ट प्रतिबद्ध है और व्यापक स्तर पर कार्य कर रही है|

यह ट्रस्ट राजस्थान सार्वजानिक न्यास अधिनियम अंतर्गत भी पंजीकृत है जो की वर्तमान में भारत सरकार द्वारा अनिवार्य कर दिया गया है |

दृष्टी -प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के माध्यम से पारिस्थितिक और पर्यावरणीय स्थिरता का विकास करना और आजीविका और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ाना|

उद्देश्य - फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल एंड एनवायरनमेंटल सस्टेनेबिलिटी ट्रस्ट (FEEST) देश में पारिस्थितिक स्थाईकरण की प्रक्रिया और भूमि, वन और जल संसाधनों के संरक्षण, जहां आवश्यक हो, को मजबूत करने, पुनर्जीवित करने या बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही सामजिक सुरक्षा के लिए आवश्यक गतिविधियों का संचालन करना मुख्य है|

ट्रस्ट के मुख्य उदेश्य:–

- ग्रामीण क्षेत्रो में आजीविका संवर्धन का कार्य करना |
- कृषि विकास एवम गैर कृषि कार्यो से लोगो की आजीवका संवर्धन करना |
- महिला एंव बाल विकास विशेषकर पोषण पर कार्य करना|
- रोजगार एंव कोशल विकास से जोड़ना|
- भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करना, जिसमे विकास, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की दिशा में, उनके उपयोग, जनजाति क्षेत्रो में उपयोग एंव संरक्षण आदि|
- पर्यावरण, पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति जागरुकता लाना|

- किसानो को जागरूक कर राज्य सरकार, भारत सरकार की योजनाओ के जोड़ना|
- सामुदाईक विकास के कार्यो को करना|
- जल, भूमि, उत्पादकता, सामजिक संगठन आदि के लिए कार्य करना|
- सरकार के साथ एंव उनकी फ्लेगशिप योजनाओ को धरातल पर लाने में सहयोग करना|
- ग्रामीण क्षेत्रो में शिक्षा से जोड़ना|
- गुणात्मक शिक्षा के लिए प्रयास करना|
- वृद्धजन कल्याण के लिए प्रयास करना वृधाश्रम खोलना |
- गेर समानता को समानता लाने में, आर्थिक दृष्टी से किसानो, श्रमिको, खेतिहर मजदूरो आदि के लिए कार्य करना|
- शोध एंव अध्ययन करना जो सामजिक उत्थान के लिए आवश्यक है|
- कम खर्च में अधिक उपयोगी मोडल कृषि एंव गेर कृषि आधारित स्थापित करने का प्रयास करना|

संस्था के मुख्य वेलूएज निम्नुसार है जिस पर संस्था कार्य करती है और उन्ही आदर्शो को मानते हुए आगे बढ़ते है -

- ईमानदारी
- पारदर्शिता और जवाबदेही
- परस्पर आदर
- रचनात्मकता
- लैंगिक संवेदनशीलता
- लागत क्षमता
- भागीदारी
- एकजुटता
- सुरक्षा करना

वार्षिक कार्य प्रगति -

1. **जागरूकता शिविर**-

जागरूकता कार्यक्रम संस्था का मुख्य कार्य है| लोगो को क्षमतावान बनाने से ही विकास संभव है| इसके लिए सम्बंधित क्षेत्र की जानकारी बहुत आवश्यक है| जेसे की कृषि आधारित योजनाओ की जानकारी के लिए किसानो के एक्सपर्ट के माध्यम से जानकारी देना आवश्यक है| इसी के लिए संस्था द्वारा कृषि प्रशिक्षण केंद्र का भी संचालन किया जा रहा है जो जनजाति कार्यमंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से संचालित है| लोगो के व्यवहार में बदलाव लाना बहुत बड़ा कार्य होता है इस कारण इस कार्य को संस्था अपने कार्यक्षेत्र में निरंतर रूप से कर रही है |

ट्रस्ट द्वारा राजस्थान के उदयपुर, डूंगरपुर एंव सिरोही, दौसा जिला अंतर्गत 55 जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया जिसमे 6745 महिला पुरुषो ने भाग लिया| कैंप में किसानो को केमिकल खाद की जगह वर्मी कम्पोस्ट एंव देशी खाद के उपयोग के बारे में जानकारी दी एंव इसके उपयोग के क्या फायदे है इसके बारे में समजाया गया| शिविर में कृषि विभाग से कृषि अधिकारीयो का नियमित सहयोग प्राप्त हुआ| भविष्य में ट्रस्ट द्वारा वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन हेतु किसानो को प्रशिक्षण दिया जायेगा| इस वर्ष में जेविक कृषि की थीम मुख्य थी |

ट्रस्ट द्वारा इसमें यह मोडल अपनाया गया है की ट्रस्ट द्वारा गांवो में सुचना कर लोगो के एकत्र किया जाता है और उसमे सरकार के अधिकारियों के माध्यम से प्रशिक्षण का आयोजन कराया जाता है| इसके साथ की कृषि विज्ञानं केन्द्रों के माध्यम से नियमित संचालित ट्रेनिंग कार्यक्रमों के साथ किसानो को जोड़ा जाता है| इस वर्ष में इस प्रकार के प्रोग्राम से 3200 किसानो को इसका लाभ प्राप्त हुआ है|

2. स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कार्यक्रम एवम स्वास्थ्य शिविर

ट्रस्ट द्वारा उदयपुर जिले के मावली, खेरवाडा, झाडोल ब्लाक में महिला स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कार्यक्रम किये गए जिसमे 4509 महिलाये लाभान्वित हुई| ट्रस्ट द्वारा जच्चा बच्चा सुरक्षा, माँ का पहला दूध बच्चे को, महिलाओ में मुश्किल दिनो में ध्यान रखने से सम्बंधित चर्चा आदि जागरूकता स्वास्थ्य विभाग एंव उप- स्वास्थ्य केंद्र और ट्रस्ट के कर्मचारियों के सहयोग से सम्पादित किया गया| कुल 33 शिवर का आयोजन किया गया|

इसके साथ ही द नीड फाउंडेशन के सहयोग से बारा, जैसलमेर, करोली, सिरोही, सवाईमाधोपुर में 20 स्वाथ्य कैंप का आयोजन किया गया जिसमे 5000 से अधिक रोगियों का निशुल्क उपचार किया गया और दवाई दी गई |

3. जल विकास कार्यक्रम – (प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण)

जल का संवर्धन बहुत आवश्यक है| ट्रस्ट इसके लिए प्रतिबद्ध है| प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधनों में जल अति महत्वपूर्ण संसाधन एंव जन उपयोगी ससाधन है| जल से ही जीवन, पशु, पक्षी एंव पोधे आदि जीवित है | पानी बहुत बहुमूल्य धरोहर एंव प्राकृतिक संसाधन है जिसे बचाना आवश्यक है इसके लिए किसानो के जागरूकता शिवर का आयोजना किया गया जिसे **जल जीवन अभियान** नाम दिया गया| उपरोक्त कार्यक्रम 62 गावो में किया गया जिसमे करीब 5900 लोग लाभान्वित हुए| पानी के उपयोग एंव सिचाई में उपयोग,घरेलू उपयोग आदि में पानी के उपयोग को उपलब्धता के आधार पर एंव मितव्ययता से करने हेतु समजाया गया| पानी मानसून से ही प्राप्त होता है या भूमिगत पानी ही प्राप्त होता है| वर्षा पानी को बचाना एंव भूमिगत पानी का कम उपयोग करना भविष्य को सुरक्षित करना है| पानी का अधिक उपयोग कल कारखाने करते है परन्तु जहा पानी बचाने की बात आती है वहां किसानो और गाँवो के लोगो को समजाया जाता है जिस पर भी ट्रस्ट द्वारा विचार कर आगामी कार्य योजना बनाई जा रही है|

इस वर्ष में पानी की उपलब्धता बढाने के लिए पीएचडी रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन के सहयोग से एक 2 करोड़ लीटर की क्षमता का चेकडेम निर्मित किया गया है जिस पर लगभग 27 लाख रुपये व्यय किया गया है | द मिशन हेप्पीनेस फाउंडेशन एवम राज्य सरकार के सहयोग से इस वर्ष में 15 जल संरक्षण संरचनाओ का विकास किया गया है |

इसके साथ ही आर .जे. फाउंडेशन नई दिल्ली के सहयोग से दौसा के डीडवाना ग्राम पंचायत में घाटा तालाब विकास का कार्य शरू किया गया है जो आगामी वितीय वर्ष में पूरा होने की सम्भावना है | इसकी क्षमता 3 करोड़ लीटर भराव क्षमता है |

4. पोधो का रोपण एंव पर्यावरण सुरक्षा –

ट्रस्ट द्वारा पर्यावरण सुरक्षा के उदेश्य को ध्यान में रखते हुए 35 गावो में पोधो का रोपण कार्यक्रम किया गया जिसमे 22000 पोधे लगवाए

गए| जिसमे विभिन्य संस्थाओ एंव लोगो का सहयोग प्राप्त हुआ| PI इंडस्ट्रीज, आयल इंडिया लिमिटेड का बहुत अधिक सहयोग प्राप्त हुआ| इसके साथ ही पोधो की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसानो एंव स्थानीय लोगो को मीटिंग में माध्यम से दी गई जिसे लोगो ने स्वीकार किया गया| पर्यावरण के संरक्षण के लिए बहुत उपयोगी प्राकृतिक संसाधन है|

ट्रस्ट का यह कार्य मुख्य कार्य है और इसके प्रति विशेष ध्यान दिया जाता है| प्रकृति है तो ही मानव जाती बचेगी, वर्षा, भूजल आदि सभी को प्रभावित करती है|

5. कुआ विकास कार्य –

इस वर्ष में ट्रस्ट द्वारा 55 कुआ विकास किया गया जिसमे 10 प्रतिशत भागीदारी किसानो द्वारा दी गई| राजस्थान के पर्वतीय क्षेत्र उदयपुर में पिने के पानी एंव कृषि के लिए कुआ मुख्य साधन है| कुआ विकास से किसानो के लिए पशुपालन, खेतीबाड़ी के लिए पानी, घरेलु उपयोग के लिए पानी उपलब्ध हो जाता है|

राजस्थान में तो जल-संसाधन की उपलब्धता में हालत काफी खराब है। राज्य में देश के कुल सतही जल का मात्र 1.16 प्रतिशत एवं कुल भूजल का मात्र 1.72 प्रतिशत ही पाया जाता है। अतः हमें सतही जल के मुख्य स्त्रोत वर्षा के जल का संग्रहण, संरक्षण तथा समुचित प्रबंधन के साथ-साथ भूमिगत जल के कुशल उपयोग की आवश्यकता है। राजस्थान देश में जल संसाधनों की सबसे बड़ी कमी का सामना कर रहा है। इसमें भारत के खेती वाले क्षेत्र का 13.88%, आबादी का 5.67% और लगभग देश के पशुधन का 11% है, लेकिन इसमें सतही जल का केवल 1.16% और भूजल का 1.70% है।

6. नाडी/ फार्म पोंड विकास कार्य

ट्रस्ट द्वारा इस वर्ष में 2 चेकडेम, 150 फार्म पोंड का विकास का कार्य किया गया| यह कार्य किसानो की भागिदार एंव ट्रस्ट फण्ड से संपादित किया गया| फार्म पोंड का विकास कार्य बहुत ही उपयोगी

गतिविधि है जो पानी के रिचार्ज को तो बढ़ाती ही है इसके साथ ही मिट्टी के अपरदन को रोकती है|
इस पोंड से 1 बीघा भूमि तेयार हो जाती है, जिसमे चावल, सरसों आदि फसले भी आसानी से हो जाती है| इस वर्ष में 50 लाख लीटर पानी का संरक्षण किया गया|
इस गतिविधि से 150 परिवारों के लिए अतिरिक्त भूमि विकसित हुई है वही जलसंरक्षण की दिशा में भूमिगत जल स्त्रोत में वर्धि हुई है |

7. विभिन्य गतिविधिया –

विभिन्य गतिविधियों में रेगुलर मीटिंग लाइन डिपार्टमेंट के साथ, कृषि विभाग, वन विभाग, सवास्थ्य विभाग आदि के साथ नियमित बैठक एंव चर्चा करके गाँवो में गतिविधिया सुचारू रूप से हो एंव प्रस्तावित योजनाओ का अच्छे से सञ्चालन हो| इसके लिए ग्राम स्तर, ब्लाक स्तर से भी सुचारू कार्य हेतु राजकीय स्टाफ को आदेशित करवाने के सम्बन्ध में भी जिला स्तर पर रिक्वेस्ट की गयी है जिसे प्रशासन द्वारा सही लिया जाकर सम्बंधित को आदेश जारी किये गए है|
ट्रस्ट अपने उदेश्य के अनुरूप सरकार को अपनी योजनाओ को लागु करने, उनका लोगो तक प्रचार करने, ई-मित्र तक लोगो को लाने का कार्य किया जा रहा है| दुरस्त जनजाति अंचल में शिक्षा की कमी और संचार के साधनों की भी कमी है| लोगो तक योजनाओ की जानकारी नहीं पहुँच पाती जिसके कारण बहुत अच्छी योजनाओ का लाभ प्राप्त नहीं कर पाते है| इसके लिए ट्रस्ट में जो स्वयम सेवक कार्यरत है उसकी मदत से योजनाओ को जोड़ने के लिए प्रयास किये गए है और उसमे बहुत अच्छी उत्साहवर्धक परिणाम प्राप्त हुए है|

8. आजीविका संवर्धन कार्य

ट्रस्ट द्वारा 2000 महिलाओ किसानो के साथ सब्जी से आजीविका संवर्धन का कार्यक्रम इस वर्ष शरू किया गया जो की उदयपुर के वल्लभनगर

ब्लाक में है | यह कार्यक्रम द शिपिंग कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड के सहयोग से संचालित है | इस वर्ष में यह कार्य शरू हुआ है जो आगामी वितीय वर्ष में पूरा होगा |

ट्रस्ट का प्रबंधन

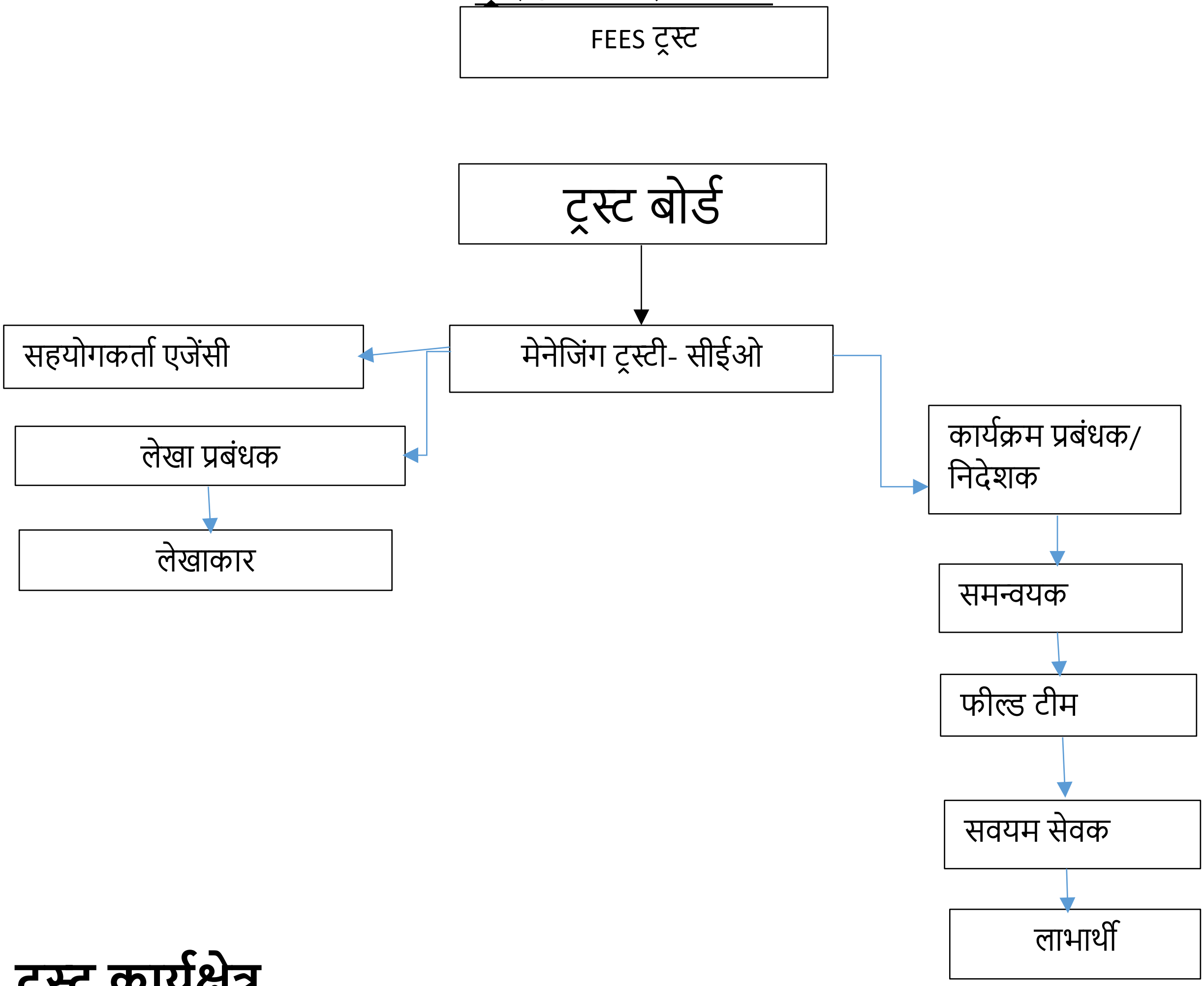

ट्रस्ट कार्यक्षेत्र

राजस्थान- उदयपुर, चितोडगढ़, बारां, जालोर, जोधपुर, राजसमन्द, जैसलमेर, सिरोही, करोली, सवाईमाधोपुर आदि |

इस वर्ष में ट्रस्ट द्वारा संपादित मुख्य कार्य

कार्य का नाम	वर्ष 2023-24	लाभान्वितो की संख्या
नाडी निर्माण कार्य/ फार्म पोंड निर्माण कार्य	150	150 किसान
चेक डेम कार्य /तालाब निर्माण कार्य	15	1990 परिवार
सब्जी उत्पादन	2000	2000 महिला किसान
कुआ विकास कार्य	55	339 परिवार
जागरूकता शिविर	55	6745 लोग
हेल्थ कैंप	20	5000 रोगी
पशु कैंप	12	3500 पशु
महिला जागरूकता	33	4509 महिला
ब्लड डोनेशन कैंप	1	88 यूनिट
प्लांटेशन वर्क	22000	500 परिवार

IIMU भारतीय प्रबंधन संस्थान उदयपुर Indian Institute of Management Udaipur	HDFC BANK	Inspired by Science
एस सी आई SCI Shipping Corporation of India	SOCIETY FOR NATIONAL EDUCATION, ENTREPRENEURSHIP & DEVELOPMENT NEED	RURAL DEVELOPMENT FOUNDATION PHD Estd. 1981
VARUN BEVERAGES Varun Beverages Limited	सत्यमेव जयते Government of Rajasthan	सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया Central Bank of India

॥ यतो धर्मस्ततो जयः ॥	इन्दिरा रसोई योजना कोई भी भूखा नहीं सोए राजस्थान सरकार	सत्यमेव जयते Goverment Of India
राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर (राज.) 1987	THE MISSION OF HAPPiNESS FOUNDATION	SANCH FOUNDATION

छाली चेकडेम विकास कार्य

सब्जी उत्पादन परियोजना (पोषण परियोजना)

फलदार पोधो की पैदावार

नाडी/ फार्म पोंड डेवलपमेंट

चेकडेम/ एनिकट विकास कार्य

Check Dam/Anicut Inauguration by foreign delegation Rotary USA

foreign delegation Rotary USA Meeting with Community

Well Development Work

Farm Pond Development Work

Community Mobilization

Community Mobilization

Seeds Distribution to Farmers

Agriculture Training to Farmers at Agriculture College

Plants Distribution

Community Meeting